भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1909
गुरुवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु में विमानपत्तन अवसंरचना का विस्तार

1909. **श्री जी. सेल्वम:**
श्री सी. एन. अन्नादुरई:
डॉ. रानी श्रीकुमार:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में घरेलू विमान यात्रा की बढ़ती मांग और ऐसी मांग को पूरा करने के लिए विमानपत्तन बुनियादी ढांचे और क्षेत्रीय विमान संपर्क की पर्याप्तता का आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु के हवाई अड्डों पर पिछले तीन वर्षों के दौरान यात्रियों की संख्या और विमान आवागमन का विमानपत्तन-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का तमिलनाडु में असेवित और अल्पसेवित स्थानों को जोड़कर उड़ान योजना के तहत विमानपत्तन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षेत्रीय विमान संपर्क का विस्तार करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त राज्य के लिए किसी नए विमानपत्तन, अतिरिक्त उड़ान मार्गों, टर्मिनल विस्तार परियोजनाओं और रनवे उन्नयन कार्यों को मंजूरी दी गई है या विचाराधीन हैं; और

(ङ) तमिलनाडु में यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाने, अल्पसेवित क्षेत्रों के लिए विमान संपर्क में सुधार करने तथा पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ): सरकार ने हवाईअड्डा अवसंरचना के विकास के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के निर्माण के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा मौजूदा हवाईअड्डों का उन्नयन और आधुनिकीकरण, क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस-उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों का विकास/पुनरुद्धार और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से मौजूदा और नए हवाईअड्डों में निजी निवेश को बढ़ावा देना शामिल है।

इसके अलावा, मौजूदा हवाईअड्डों पर अवसंरचनात्मक सुविधाओं का आधुनिकीकरण और विकास एक सतत प्रक्रिया है, जिसे यातायात मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए प्रचालनिक आवश्यकताओं और एयरलाइनों से मांग के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) अथवा संबंधित हवाईअड्डा प्रचालक/विकासकर्ता द्वारा पूरा किया जाता है

पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु के हवाईअड्डों पर हवाईअड्डा-वार यात्री यातायात और विमानों का संचलन अनुलग्नक में दिया गया है।

तमिलनाडु सहित देश में क्षेत्रीय संपर्क को और मजबूत करने तथा पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए उड़ान योजना का अगला चरण दिनांक 04.07.2026 को शुरू किया गया है। यह अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों और 4 करोड़ यात्रियों को लक्षित करते हुए देशभर के टियर-2 और टियर-3 शहरों और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में हवाई संपर्क को बढ़ावा देगा। इस योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक 28,840 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें एयरोड्रोम विकास के लिए 12,159 करोड़ रुपये और पर्वतीय, पूर्वोत्तर और आकांक्षी राज्यों/जिलों में 200 हेलीपोर्टों के विकास के लिए 3,661 करोड़ रुपये का परिव्यय शामिल हैं।

अनुलग्नक

तमिलनाडु में हवाईअड्डों पर विमान आवाजाही तथा कुल हैंडल किए गए यात्री (संख्या में)

हवाईअड्डे	2023-2024		2024-2025		2025-2026	
	विमान आवाजाही	यात्री	विमान आवाजाही	यात्री	विमान आवाजाही	यात्री
चेन्नई	145790	21207262	156126	22411290	158702	23017324
कोयंबत्तूर	18396	2904611	21833	3253190	22462	3420745
मदुरै	11927	1285976	13513	1399046	13105	1388062
सेलम	954	42568	2504	130132	2584	127070
तिरुचिरापल्ली	14314	1763942	17398	1956851	18858	2221024
तूतीकोरिन	3020	199761	3676	230151	4366	290398
कुल	**194401**	**27404120**	**215050**	**29380660**	**220077**	**30464623**

******